09-03-2022
UPI123Pay

प्रश्न – निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

1. इसका नाम डिजीसाथी है. इन दोनों का सीधा संबंध आम आदमी से है।
2. इससे ग्राहक फीचर फोन के ज़रिए 'स्कैन ऐंड पे' के अतिरिक्त लगभग सभी लेनदेन कर सकेंगे तथा इससे लेनदेन करने हेतु इंटरनेट कनेक्शन की ज़रूरत नहीं होगी। बकौल आरबीआई, भारत में 40 करोड़ से अधिक फीचर फोन ग्राहक हैं।
3. UPI123Pay की सहायता से यूजर्स फीचर फोन से यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे 'स्कैन ऐंड पे' छोड़ सभी तरह के लेन-देन इससे किए जा सकेंगे।

उपरोक्त में से कौन-से/सा कथन सत्य है –

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03
(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर – (D) उपरोक्त सभी

भूमिका –भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने फीचर फोन के लिए 'UPI123Pay' नामक यूपीआई आधारित पेमेंट प्रोडक्ट लॉन्च किया है. उन्होंने डिजिटल पेमेंट्स के लिए 24X7 हेल्पलाइन भी लॉन्च की।

परीक्षा उपयोगी बिंदु –

- इसका नाम डिजीसाथी है. इन दोनों का सीधा संबंध आम आदमी से है।
- इससे ग्राहक फीचर फोन के ज़रिए 'स्कैन ऐंड पे' के अतिरिक्त लगभग सभी लेनदेन कर सकेंगे तथा इससे लेनदेन करने हेतु इंटरनेट कनेक्शन की ज़रूरत नहीं होगी। बकौल आरबीआई, भारत में 40 करोड़ से अधिक फीचर फोन ग्राहक हैं।
- UPI123Pay की सहायता से यूजर्स फीचर फोन से यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे 'स्कैन ऐंड पे' छोड़ सभी तरह के लेन-देन इससे किए जा सकेंगे।
- पेमेंट के लिए इंटरनेट जरूरी नहीं होगा इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए उपभोक्ता को अपने मोबाइन नंबर और बैंक अकाउंट को लिंक करना होगा।
- आरबीआई का मानना है कि फीचर फोन के लिए न्यु फैसिलिटी शुरू होने से गांवों में डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल बढ़ेगा। इससे वित्तीय (financial) सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी।
- कई लोगों के पास स्मार्टफोन नहीं होते हैं। इसके अतिरिक्त वहां इंटरनेट की उपलब्धता की भी गारंटी नहीं होती है।
- यूपीआई पेमेंट प्लेटफॉर्म की शुरूआत साल 2016 में हुई थी। तब से इसका इस्तेमाल कई गुना ज्यादा बढ़ गया है।
- यूपीआई पेमेंट के लिए अब तक स्मार्टफोन जरूरी था। इस कारण से गांवों में कई लोग इसका इस्तेमाल नहीं कर पाते थे।
- आरबीआई ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि वह फीचर फोन के लिए भी यूपीआई लॉन्च करेगा।
- फीचर फोन का अर्थ बेसिक फोन है। इस फोन में केवल कॉल करने, कॉल रिसीव करने एवं मैसेज भेजने और मंगाने की सुविधा होती है।

- आज भी आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा इन फोन का इस्तेमाल करता है। खासकर गांवों में लोग फीचर फोन का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। भारत में जब मोबाइल फोन की शुरूआत हुई थी तो सबसे पहले बाजार में फीचर फोन आए थे।

वन रैंक वन पेंशन

प्रश्न – निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

1. न्यायालय ने यह भी कहा कि 'वन रैंक वन पेंशन' पर केंद्र के रूख ने सशस्त्र बलों के पेंशनभोगियों को वास्तव में दी गई सुविधाओं की तुलना में बहुत अधिक अतिशयोक्तिपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत की है।
2. 'वन रैंक, वन पेंशन' (OROP) का अर्थ है कि सेवानिवृत्त होने की तारीख से इतर समान सेवा अवधि और समान रैंक पर सेवानिवृत्त हो रहे सशस्त्र सैन्यकर्मियों को एक समान पेंशन दी जाएगी।
3. वन रैंक, वन पेंशन' से पहले, पूर्व सैनिकों को वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार पेंशन मिलती थी।

उपरोक्त में से कौन-से/सा कथन सत्य है –

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03
(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर – (D) उपरोक्त सभी

भूमिका – हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से यह विश्लेषण करने को कहा है कि सशस्त्र बलों में कितने लोगों को 'वन रैंक वन पेंशन' (OROP) नीति से लाभ हुआ है।

परीक्षा उपयोगी बिंदु –

- न्यायालय ने यह भी कहा कि 'वन रैंक वन पेंशन' पर केंद्र के रूख ने सशस्त्र बलों के पेंशनभोगियों को वास्तव में दी गई सुविधाओं की तुलना में बहुत अधिक अतिशयोक्तिपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत की है।
- 'वन रैंक, वन पेंशन' (OROP) का अर्थ है कि सेवानिवृत्त होने की तारीख से इतर समान सेवा अवधि और समान रैंक पर सेवानिवृत्त हो रहे सशस्त्र सैन्यकर्मियों को एक समान पेंशन दी जाएगी।
- वन रैंक, वन पेंशन' से पहले, पूर्व सैनिकों को वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार पेंशन मिलती थी।
- उत्तर प्रदेश और पंजाब में OROP लाभार्थियों की संख्या सबसे अधिक है।
- सशस्त्र बल कार्मिक, जो 30 जून, 2014 तक सेवानिवृत्त हुए थे, वे इसके अंतर्गत आते हैं।
- इस योजना का कार्यान्वयन भगत सिंह कोश्यारी की अध्यक्षता में गठित 10 सदस्यीय सर्वदलीय संसदीय पैनल कोश्यारी समिति की सिफारिश पर आधारित था।